

॥ रुद्रपदपाठः ॥

ॐ। ग॒णाना॑म्। त्वा॒। ग॒णप॑तिमि॒ति ग॒ण-प॑तिम्। ह॒वाम॑हे। क॒विम्।
क॒वीना॑म्। उ॒पम॑श्र॒वस्तम॑मित्यु॒पम॑श्र॒वः-त॑मम्॥ ज्येष्ठ॒राज॑मि॒ति
ज्येष्ठ॒-राज॑म्। ब्र॒ह्म॑णाम्। ब्र॒ह्म॑णः। प॒ते। ए॒ति। नः॒। शृ॒ण्वन्।
ऊ॒तिभि॑रित्यू॒ति-भिः॒। सी॒द। सा॒दन॑म्॥

नमः॑। ते॒। रु॒द्र। म॒न्यवे॑। उ॒तो इ॒ति। ते॒। इ॒षवे॑। नमः॑॥ नमः॑।
ते॒। अ॒स्तु। ध॒न्व॑ने। बा॒हुभ्या॑मि॒ति बा॒हु-भ्या॑म्। उ॒त। ते॒। नमः॑॥
या॒। ते॒। इ॒षुः। शि॒वत॑मे॒ति शि॒व-त॑मा॒। शि॒वम्। ब॒भूव॑। ते॒। ध॒नुः॥
शि॒वा। श॒र॒व्या॑। या॒। तव॑। तया॑। नः॒। रु॒द्र। मृ॒डय॑॥ या॒। ते॒। रु॒द्र।
शि॒वा। त॒नूः। अ॒घो॑रा। अ॒पाप॑काशिनीत्य॒पाप॑-का॒शिनी॑॥ तया॑। नः॒।
त॒नुवा॑। श॒न्त॑मये॒ति श॑म्-त॒मया॑। गि॒रि॑श॒न्तेति॑ गि॒रि॑-श॒न्त। अ॒भीति॑।
चा॒क॒शीहि॑॥ या॒म्। इ॒षुम्। गि॒रि॑श॒न्तेति॑ गि॒रि॑-श॒न्त। ह॒स्ते॑। (१)

बिभ॑र्षि। अस्त॑वे॥ शि॒वाम्। गि॒रि॒त्रेति॑ गि॒रि-त्र॒। ताम्। कुरु॒। मा।
हि॒ःसीः॑। पुरु॑षम्। जग॑त्॥ शिवे॑न। वच॑सा। त्वा॒। गि॒रि॑श। अ॒च्छा।
व॒दाम॑सि॥ यथा॑। नः॒। सर्व॑म्। इत्। जग॑त्। अ॒य॒क्ष्मम्। सु॒मना॑
इति॑ सु॒-मनाः॑। अस॑त्॥ अधी॑ति। अ॒वोच॑त्। अ॒धि॒व॒क्तेत्य॑धि॒-व॒क्ता।
प्र॒थमः॑। दै॒व्यः॑। भि॒षक्॥ अ॒हीन॑। च॒। सर्वा॑न्। ज॒म्भय॑न्। सर्वाः॑।
च॒। या॒तु॒धा॒न्य॑ इति॑ या॒तु॒-धा॒न्यः॑॥ अ॒सौ। यः। ता॒म्रः॑। अ॒रुणः॑। उ॒त।
ब॒भ्रुः। सु॒म॒ङ्गल॑ इति॑ सु॒-म॒ङ्गलः॑॥ ये। च॒। इ॒माम्। रु॒द्राः॑। अ॒भितः॑।
दि॒क्षु। (२)

श्रिताः। सहस्रश इति सहस्र-शः। अवेति। एषाम्। हेडः। ईमहे॥
 असौ। यः। अवसर्पतीत्यव-सर्पति। नीलग्रीव इति नील-ग्रीवः।
 विलोहित इति वि-लोहितः॥ उत। एनम्। गोपा इति गो-पाः।
 अदृशन्। अदृशन्। उदहार्य इत्युद-हार्यः॥ उत। एनम्। विश्वा।
 भूतानि। सः। दृष्टः। मृडयाति। नः॥ नमः। अस्तु। नीलग्रीवायेति
 नील-ग्रीवाय। सहस्राक्षायेति सहस्र-अक्षाय। मीढुषे॥ अथो इति।
 ये। अस्य। सत्वानः। अहम्। तेभ्यः। अकरम्। नमः॥ प्रेति। मुञ्च।
 धन्वनः। त्वम्। उभयोः। आर्त्त्रियोः। ज्याम्॥ याः। च। ते। हस्ते।
 इषवः। (३)

परेति। ताः। भगव इति भग-वः। वपु॥ अवतत्येत्यव-तत्य।
 धनुः। त्वम्। सहस्राक्षेति सहस्र-अक्ष। शतेषुध इति शत-इषुधे॥
 निशीर्येति नि-शीर्य। शल्यानाम्। मुखौ। शिवः। नः। सुमना
 इति सु-मनाः। भव॥ विज्यमिति वि-ज्यम्। धनुः। कपर्दिनः।
 विशल्य इति वि-शल्यः। बाणवानिति बाण-वान्। उत॥ अनेशन।
 अस्य। इषवः। आभुः। अस्य। निषङ्गथिः॥ या। ते। हेतिः।
 मीढुष्टमेति मीढुः-तम्। हस्ते। बभूव। ते। धनुः॥ तया। अस्मान्।
 विश्वतः। त्वम्। अयक्ष्मया। परीति। भुज॥ नमः। ते। अस्तु।
 आयुधाय। अनाततायेत्यना-तताय। धृष्णवे॥ उभाभ्याम्। उत।
 ते। नमः। बाहुभ्यामिति बाहु-भ्याम्। तव। धन्वने॥ परीति। ते।

धन्व॑नः। हे॒तिः। अ॒स्मान्। वृ॒ण॒क्तु। वि॒श्वतः॑॥ अथो॒ इति॑। यः।
इ॒षु॒धिरि॒तीषु॒धिः। तव॑। आ॒रे। अ॒स्मत्। नी॒ति॑। धे॒हि। तम्॥ (४)

नमः॑। हि॒र॒ण्य॒बा॒हव॒ इति॑ हि॒र॒ण्य॒बा॒ह॒वे। से॒ना॒न्य॑ इति॑ से॒ना॒न्य॑।
दि॒शाम्। च। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। वृ॒क्षेभ्यः॑। हरि॑केशेभ्य॒ इति॑
हरि॑-के॒शेभ्यः॑। प॒शूनाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। स॒स्मिञ्ज॑राय।
त्वि॒षी॑मत् इति॑ त्वि॒षी॑-म॒ते। प॒थी॑नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑।
ब॒भ्रु॒शाय॑। वि॒व्या॒धिन् इति॑ वि॒व्या॒धि॒ने॑। अ॒न्नाना॑म्। पत॑ये। नमः॑।
नमः॑। हरि॑केशायेति॒ हरि॑-के॒शाय॑। उ॒प॒वी॒तिन् इत्यु॑प॒वी॒ति॒ने॑।
पु॒ष्टा॒नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। भु॒व॒स्य॑। हे॒त्यै। जग॑ताम्। पत॑ये।
नमः॑। नमः॑। रु॒द्राय॑। आ॒त॒ता॒विन् इत्या॑-त॒ता॒वि॒ने॑। क्षे॒त्रा॒णाम्।
पत॑ये। नमः॑। नमः॑। सू॒ताय॑। अ॒ह॒न्त्या॑य। व॒ना॒नाम्। पत॑ये। नमः॑।
नमः॑। (५)

रोहि॑ताय। स्थ॒पत॑ये। वृ॒क्षा॒णा॑म्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। म॒न्त्रि॒णे॑।
वा॒णि॒जाय॑। क॒क्षा॒णाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। भु॒व॒न्त॑ये।
वा॒रि॒व॒स्कृ॒तायेति॑ वा॒रि॒वः-कृ॒ताय॑। ओष॑धीनाम्। पत॑ये। नमः॑।
नमः॑। उ॒च्चैर्घो॑षायेत्यु॒च्चैः-घो॑षा॒य॑। आ॒क्र॒न्द॒य॒त इत्या॑-क्र॒न्द॒य॒ते।
प॒त्ती॒नाम्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। कृ॒थ्स्त्र॒वी॒तायेति॑ कृ॒थ्स्त्र॒वी॒ताय॑।
धा॒व॒ते। स॒त्त्व॑नाम्। पत॑ये। नमः॑॥ (६)

नमः॑। स॒ह॒मा॒नाय॑। नि॒व्या॒धिन् इति॑ नि॒व्या॒धि॒ने॑। आ॒व्या॒धि॒नी॒ना॒-
मि॒त्या॑-व्या॒धि॒नी॒ना॑म्। पत॑ये। नमः॑। नमः॑। क॒कु॒भाय॑। नि॒ष॒ङ्गि॒ण इति॑

नि-सङ्गिने॑। स्तेनाना॑म्। पतये। नमः॑। नमः॑। निषङ्गिण॒ इति॑ नि-
 सङ्गिने॑। इषु॒धि॒मत् इती॑षुधि-मते॑। तस्कराणाम्। पतये। नमः॑। नमः॑।
 वञ्चते। परि॒वञ्च॑त् इति॑ परि-वञ्चते। स्तायूनाम्। पतये। नमः॑। नमः॑।
 नि॒चेर॑व॒ इति॑ नि-चेरवे॑। परि॒च॒रायेति॑ परि-च॒राय॑। अरण्यानाम्।
 पतये। नमः॑। नमः॑। सू॒का॒वि॒भ्य॒ इति॑ सू॒का॒वि॒भ्यः॒। जिघा॑स॒स्य॒
 इति॑ जिघा॑स॒त्-भ्यः॒। मुष्ण॑ताम्। पतये। नमः॑। नमः॑। अ॒सि॒म॒स्य॒
 इत्य॑सि॒मत्-भ्यः॒। नक्त॑म्। चर॑स्य॒ इति॑ चर॑त्-भ्यः॒। प्र॒कृ॒न्ता॒ना॒मिति॑
 प्र-कृ॒न्ता॒ना॑म्। पतये। नमः॑। नमः॑। उ॒ष्णी॒षिणे॑। गि॒रि॒च॒रायेति॑ गि॒रि-
 च॒राय॑। कुलु॒श्चाना॑म्। पतये। नमः॑। नमः॑। (७)

इषु॒म॒स्य॒ इती॑षुमत्-भ्यः॒। ध॒न्वा॒वि॒भ्य॒ इति॑ ध॒न्वा॒वि॒भ्यः॒। च॒। वः॒।
 नमः॑। नमः॑। आ॒त॒न्वा॒ने॒भ्य॒ इत्या॑-त॒न्वा॒ने॒भ्यः॒। प्र॒ति॒द॒धा॒ने॒भ्य॒ इति॑
 प्र॒ति॒द॒धा॒ने॒भ्यः॒। च॒। वः॒। नमः॑। नमः॑। आ॒य॒च्छ॑स्य॒ इत्या॑य॒च्छ॑त्-
 भ्यः॒। वि॒सृ॒ज॒स्य॒ इति॑ वि॒सृ॒ज॒त्-भ्यः॒। च॒। वः॒। नमः॑। नमः॑। अ॒स्य॑स्य॒
 इत्य॑स्य॒त्-भ्यः॒। वि॒ध्य॑स्य॒ इति॑ वि॒ध्य॑त्-भ्यः॒। च॒। वः॒। नमः॑। नमः॑।
 आ॒सी॒ने॒भ्यः॒। श॒या॒ने॒भ्यः॒। च॒। वः॒। नमः॑। नमः॑। स्व॒प॒स्य॒ इति॑ स्व॒प॒त्-
 भ्यः॒। जाग्र॑स्य॒ इति॑ जाग्र॑त्-भ्यः॒। च॒। वः॒। नमः॑। नमः॑। तिष्ठ॑स्य॒
 इति॑ तिष्ठ॑त्-भ्यः॒। धाव॑स्य॒ इति॑ धाव॑त्-भ्यः॒। च॒। वः॒। नमः॑। नमः॑।
 स॒भा॒भ्यः॒। स॒भा॒प॒ति॒भ्य॒ इति॑ स॒भा॒प॒ति॒भ्यः॒। च॒। वः॒। नमः॑। नमः॑।
 अ॒श्वे॑भ्यः॒। अ॒श्व॑प॒ति॒भ्य॒ इत्य॑श्व॑प॒ति॒भ्यः॒। च॒। वः॒। नमः॑॥ (८)

नमः॑। आ॒व्या॒धिनी॑भ्य॒ इत्या॑-व्या॒धिनी॑भ्यः॒। वि॒वि॒ध्य॑न्तीभ्य॒ इति॑ वि-

विध्यन्तीभ्यः। च। वः। नमः। नमः। उगणाभ्यः। तृहतीभ्यः। च।
 वः। नमः। नमः। गृत्सेभ्यः। गृत्सपतिभ्य इति गृत्सपति-भ्यः। च।
 वः। नमः। नमः। व्रातेभ्यः। व्रातपतिभ्य इति व्रातपति-भ्यः। च।
 वः। नमः। नमः। गणेभ्यः। गणपतिभ्य इति गणपति-भ्यः। च। वः।
 नमः। नमः। विरूपेभ्य इति वि-रूपेभ्यः। विश्वरूपेभ्य इति विश्व-
 रूपेभ्यः। च। वः। नमः। नमः। महद्भ्य इति महत्-भ्यः। क्षुल्लकेभ्यः।
 च। वः। नमः। नमः। रथिभ्य इति रथि-भ्यः। अरथेभ्यः। च। वः।
 नमः। नमः। रथेभ्यः। (९)

रथपतिभ्य इति रथपति-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। सेनाभ्यः।
 सेनानिभ्य इति सेनानि-भ्यः। च। वः। नमः। नमः। क्षत्तृभ्य
 इति क्षत्तृ-भ्यः। सङ्ग्रहीतृभ्य इति सङ्ग्रहीतृ-भ्यः। च। वः। नमः।
 नमः। तक्षभ्य इति तक्ष-भ्यः। रथकारेभ्य इति रथ-कारेभ्यः।
 च। वः। नमः। नमः। कुलालेभ्यः। कमरिभ्यः। च। वः। नमः।
 नमः। पुञ्जिष्टेभ्यः। निषादेभ्यः। च। वः। नमः। नमः। इषुकृद्भ्य
 इतीषुकृत्-भ्यः। धन्वकृद्भ्य इति धन्वकृत्-भ्यः। च। वः। नमः।
 नमः। मृगयुभ्य इति मृगयु-भ्यः। श्वनिभ्य इति श्वनि-भ्यः। च।
 वः। नमः। नमः। श्वभ्य इति श्व-भ्यः। श्वपतिभ्य इति श्वपति-भ्यः।
 च। वः। नमः॥ (१०)

नमः। भ्वाय। च। रुद्राय। च। नमः। शर्वाय। च। पशुपतय
 इति पशु-पतये। च। नमः। नीलग्रीवायेति नील-ग्रीवाय। च।

शितिकण्ठायेति शिति-कण्ठाया। च। नमः। कपदिने। च।
 व्युत्तकेशायेति व्युत्त-केशाया। च। नमः। सहस्राक्षायेति सहस्र-
 अक्षाया। च। शतधन्वन इति शत-धन्वने। च। नमः। गिरिशाय।
 च। शिपिविष्टायेति शिपि-विष्टाया। च। नमः। मीढुष्टमायेति
 मीढुः-तमाया। च। इषुमत इतीषु-मते। च। नमः। ह्रस्वाया। च।
 वामनाया। च। नमः। बृहते। च। वर्षीयसे। च। नमः। वृद्धाया।
 च। संवृध्वन इति सम्-वृध्वने। च। (११)

नमः। अग्रियाया। च। प्रथमाया। च। नमः। आशवे। च। अजिराय।
 च। नमः। शीघ्रियाया। च। शीभ्याया। च। नमः। ऊर्म्याया। च।
 अवस्वन्यायेत्यव-स्वन्याया। च। नमः। स्रोतस्याया। च। द्वीप्याया।
 च॥ (१२)

नमः। ज्येष्ठाय। च। कनिष्ठाय। च। नमः। पूर्वजायेति पूर्व-जाया। च।
 अपरजायेत्यपर-जाया। च। नमः। मध्यमाया। च। अपगल्भायेत्यप-
 गल्भाया। च। नमः। जघन्याया। च। बुध्नियाया। च। नमः। सोभ्याया।
 च। प्रतिसर्यायेति प्रति-सर्याया। च। नमः। याम्याया। च। क्षेम्याया।
 च। नमः। उर्वर्याया। च। खल्याया। च। नमः। श्लोक्याया। च।
 अवसान्यायेत्यव-सान्याया। च। नमः। वन्याया। च। कक्ष्याया। च।
 नमः। श्रवाया। च। प्रतिश्रवायेति प्रति-श्रवाया। च। (१३)

नमः। आशुषेणायेत्याशु-सेनाया। च। आशुरथायेत्याशु-रथाया। च।
 नमः। शूराया। च। अवभिन्दत इत्यव-भिन्दते। च। नमः। वर्मिणे।

च। वरूथिने॑। च। नमः॑। बिल्मिने॑। च। कवचिने॑। च। नमः॑। श्रुताय॑।
च। श्रुतसेनायेति॑ श्रुत-सेनाय॑। च॥ (१४)

नमः॑। दुन्दुभ्याय॑। च। आहनन्यायेत्या॑-हनन्याय॑। च। नमः॑।
धृष्णवे॑। च। प्रमृशायेति॑ प्र-मृशाय॑। च। नमः॑। दूताय॑। च।
प्रहितायेति॑ प्र-हिताय॑। च। नमः॑। निषङ्गिण॑ इति॑ नि-सङ्गिने॑। च।
इषुधिमत॑ इतीषुधि-मतै॑। च। नमः॑। तीक्ष्णेष्व॑ इति॑ तीक्ष्ण-इष्वे॑।
च। आयुधिने॑। च। नमः॑। स्वायुधायेति॑ सु-आयुधाय॑। च। सुधन्व॑न॒
इति॑ सु-धन्व॑ने। च। नमः॑। सुत्याय॑। च। पथ्याय॑। च। नमः॑।
काट्याय॑। च। नीप्याय॑। च। नमः॑। सूद्याय॑। च। सरस्याय॑। च।
नमः॑। नाद्याय॑। च। वैशन्ताय॑। च। (१५)

नमः॑। कूप्याय॑। च। अवट्याय॑। च। नमः॑। वर्ष्याय॑। च। अवर्ष्याय॑।
च। नमः॑। मेघ्याय॑। च। विद्युत्यायेति॑ वि-द्युत्याय॑। च। नमः॑।
ईध्रियाय॑। च। आतप्यायेत्या॑-तप्याय॑। च। नमः॑। वात्याय॑। च।
रेष्मियाय॑। च। नमः॑। वास्तव्याय॑। च। वास्तुपायेति॑ वास्तु-पाय॑।
च॥ (१६)

नमः॑। सोमाय॑। च। रुद्राय॑। च। नमः॑। ताम्राय॑। च। अरुणाय॑। च।
नमः॑। शङ्गाय॑। च। पशुपत॑य॒ इति॑ पशु-पत॑ये। च। नमः॑। उग्राय॑।
च। भीमाय॑। च। नमः॑। अग्रेवधायेत्य॑ग्रे-वधाय॑। च। दूरेवधायेति॑
दूरे-वधाय॑। च। नमः॑। हन्त्रे॑। च। हनीय॑से। च। नमः॑। वृक्षेभ्यः॑।
हरि॑केशेभ्य॒ इति॑ हरि॑-केशेभ्यः॑। नमः॑। ताराय॑। नमः॑। शम्भ॑व॒ इति॑

शम्-भवे॑। च। मयो॒भव॒ इति॑ मयः-भवे॑। च। नमः॑। शङ्क॒रायेति॑
 शम्-क॒राय॑। च। मय॒स्क॒रायेति॑ मयः-क॒राय॑। च। नमः॑। शि॒वाय॑।
 च। शि॒वत॑रा॒येति॑ शि॒व-त॒राय॑। च। (१७)

नमः॑। ती॒र्थ्याय॑। च। कू॒ल्याय॑। च। नमः॑। पा॒र्याय॑। च। अ॒वा॒र्याय॑।
 च। नमः॑। प्र॒तर॑णा॒येति॑ प्र-त॒र॒णाय॑। च। उ॒त्तर॑णा॒येत्यु॒त्-त॒र॒णाय॑।
 च। नमः॑। आ॒ता॒र्यायेत्या॑-ता॒र्याय॑। च। आ॒ला॒द्यायेत्या॑-ला॒द्याय॑।
 च। नमः॑। श॒ष्याय॑। च। फे॒न्याय॑। च। नमः॑। सि॒क॒त्याय॑। च।
 प्र॒वा॒ह्यायेति॑ प्र-वा॒ह्याय॑। च॥ (१८)

नमः॑। इ॒रि॒ण्याय॑। च। प्र॒प॒थ्यायेति॑ प्र-प॒थ्याय॑। च। नमः॑।
 कि॒॒शिला॑य॑। च। क्ष॒य॒णाय॑। च। नमः॑। क॒प॒र्दि॒ने॑। च। पु॒ल॒स्तये॑।
 च। नमः॑। गो॒ष्ठ्यायेति॑ गो-स्थ्याय॑। च। गृ॒ह्याय॑। च। नमः॑।
 त॒ल्प्याय॑। च। गे॒ह्याय॑। च। नमः॑। का॒ट्याय॑। च। गृ॒ह्रे॒ष्टायेति॑
 गृ॒ह्रे-स्था॑य॑। च। नमः॑। हृ॒द॒य्याय॑। च। नि॒वे॒ष्यायेति॑ नि-वे॒ष्याय॑।
 च। नमः॑। पा॒॒स॒व्याय॑। च। र॒ज॒स्याय॑। च। नमः॑। शु॒ष्क्याय॑। च।
 ह॒रि॒त्याय॑। च। नमः॑। लो॒प्याय॑। च। उ॒ल॒प्याय॑। च। (१९)

नमः॑। ऊ॒र्व्याय॑। च। सू॒र्म्याय॑। च। नमः॑। प॒र्ण्याय॑। च।
 प॒र्ण॒श॒द्यायेति॑ प॒र्ण-श॒द्याय॑। च। नमः॑। अ॒प॒गु॒रमा॑णा॒येत्य॒प-
 गु॒रमा॑णाय॑। च। अ॒भि॒घ्न॒त इत्य॑भि-घ्न॒ते। च। नमः॑। आ॒खि॒ख॒द॒त
 इत्या॑-खि॒द॒ते। च। प्र॒खि॒ख॒द॒त इति॑ प्र-खि॒द॒ते। च। नमः॑। वः॑।
 कि॒रि॒केभ्यः॑। दे॒वाना॑म्। हृ॒दये॑भ्यः। नमः॑। वि॒क्षी॒ण॒केभ्य॑ इति॑

वि-क्षीणकेभ्यः। नमः। विचिन्वत्केभ्य इति वि-चिन्वत्केभ्यः।
 नमः। आनिरुहतेभ्य इत्यानिः-हतेभ्यः। नमः। आमीवत्केभ्य
 इत्यामीवत्केभ्यः॥ (२०)

द्रापे। अन्धसः। पते। दरिद्रत्। नीललोहितेति नील-लोहित॥
 एषाम्। पुरुषाणाम्। एषाम्। पशूनाम्। मा। भेः। मा। अरः। मो
 इति। एषाम्। किम्। चना। आममत्॥ या। ते। रुद्र। शिवा। तनूः।
 शिवा। विश्वाहभेषजीति विश्वाह-भेषजी॥ शिवा। रुद्रस्य। भेषजी।
 तया। नः। मृडा। जीवसे॥ इमाम्। रुद्राय। तवसे॥ कपर्दिने॥
 क्षयद्वीरायेति क्षयत्-वीराय। प्रेति। भुरामहे। मतिम्॥ यथा। नः।
 शम्। असत्। द्विपद इति द्वि-पदे। चतुष्पद इति चतुः-पदे।
 विश्वम्। पुष्टम्। ग्रामे। अस्मिन्। (२१)

अनातुरमित्यना-तुरम्॥ मृडा। नः। रुद्र। उत। नः। मयः। कृधि।
 क्षयद्वीरायेति क्षयत्-वीराय। नमसा। विधेम। ते॥ यत्। शम्। च।
 योः। च। मनुः। आयज इत्या-यजे। पिता। तत्। अश्याम्। तव।
 रुद्र। प्रणीताविति प्र-नीतौ॥ मा। नः। महान्तम्। उत। मा। नः।
 अर्भकम्। मा। नः। उक्षन्तम्। उत। मा। नः। उक्षितम्॥ मा। नः।
 वधीः। पितरम्। मा। उत। मातरम्। प्रियाः। मा। नः। तनुवः। (२२)

रुद्र। रीरिषः॥ मा। नः। तोके। तनये। मा। नः। आयुषि। मा। नः।
 गोषु। मा। नः। अश्वेषु। रीरिषः॥ वीरान्। मा। नः। रुद्र। भामितः।
 वधीः। हविष्मन्तः। नमसा। विधेम। ते॥ आरात्। ते। गोघ्न इति

गो-घ्रे। उ॒त। पू॒रुष॒घ्न इति॑ पू॒रुष-घ्रे। क्ष॒यद्वी॒रा॒येति॑ क्ष॒यत्-वी॒रा॒य।
 सु॒म्रम्। अ॒स्मे इति॑। ते। अ॒स्तु॥ रक्षा॑। च। नः। अधी॑ति। च।
 दे॒व। ब्रू॒हि। अधा॑। च। नः। शर्म॑। य॒च्छ। द्वि॒र्भा इति॑ द्वि-र्भाः॥
 स्तु॒हि। (२३)

श्रु॒तम्। ग॒र्त॒सद॒मिति॑ ग॒र्त-सद॑म्। यु॒वा॒नम्। मृ॒गम्। ना। भी॒मम्।
 उ॒प॒ह॒तुम्। उ॒ग्रम्॥ मृ॒डा। ज॒रि॒त्रे। रु॒द्र। स्त॒वा॒नः। अ॒न्यम्। ते।
 अ॒स्मत्। नी॒ति। व॒प॒न्तु। सेनाः॑॥ परी॑ति। नः। रु॒द्रस्य॑। हे॒तिः।
 वृ॒ण॒क्तु। परी॑ति। त्वे॒षस्य॑। दु॒र्म॒तिरिति॑ दुः-म॒तिः। अ॒घा॒यो॒रित्य॑घा॒-
 योः॥ अवे॑ति। स्थि॒रा। म॒घव॑द्भ्य इति॑ म॒घव॑त्-भ्यः। त॒नु॒ष्व। मी॒ढ्वः।
 तो॒काय॑। तन॑याय। मृ॒डय॑॥ मी॒ढु॒ष्टमे॑ति मी॒ढुः-त॒म्। शि॒व॒त॒मेति॑ शि॒व॒-
 त॒म्। शि॒वः। नः। सु॒मना॑ इति॑ सु-मनाः॑। भ॒व॥ प॒र॒मे। वृ॒क्षे।
 आ॒यु॒धम्। नि॒धा॒येति॑ नि-धा॒य॑। कृ॒त्ति॒म्। वसा॑नः। ए॒ति। च॒र।
 पिना॑कम्। (२४)

बिभ्र॑त्। ए॒ति। ग॒हि॥ वि॒कि॒रि॒देति॑ वि-कि॒रि॒द्। वि॒लो॒हिते॑ति॒
 वि-लो॒हित॑। नमः॑। ते। अ॒स्तु। भ॒ग॒व इति॑ भग-वः॑॥ याः।
 ते। स॒हस्र॑म्। हे॒तयः॑। अ॒न्यम्। अ॒स्मत्। नी॒ति। व॒प॒न्तु। ताः॥
 स॒हस्रा॑णि। स॒हस्र॑धेति॑ स॒हस्र॑-धा। बा॒हु॒वोः। तव॑। हे॒तयः॑॥ तासा॑म्।
 ईशा॑नः। भ॒ग॒व इति॑ भग-वः॑। प॒रा॒चीना॑। मु॒खा॑। कृ॒धि॥ (२५)

स॒हस्रा॑णि। स॒हस्र॑श इति॑ स॒हस्र॑-शः। ये। रु॒द्राः। अधी॑ति।
 भू॒म्या॑म्। तेषा॑म्। स॒हस्र॑यो॒ज॒न इति॑ स॒हस्र॑-यो॒ज॒ने। अवे॑ति।

धन्वा॑नि। तन्म॑सि॥ अ॒स्मिन्। म॒हति॑। अ॒र्णवे॑। अ॒न्तरि॑क्षे।
 भ॒वाः। अधि॑॥ नील॑ग्रीवा॒ इति॑ नील॑-ग्रीवाः। शि॒ति॒कण्ठा॒ इति॑
 शि॒ति॒-कण्ठाः॑। श॒र्वाः। अधः॑। क्ष॒मा॒च॒राः॥ नील॑ग्रीवा॒ इति॑
 नील॑-ग्रीवाः। शि॒ति॒कण्ठा॒ इति॑ शि॒ति॒-कण्ठाः॑। दि॒वम्। रु॒द्राः।
 उ॒प॒श्रिता॒ इत्यु॒प॒-श्रिताः॑॥ ये। वृ॒क्षे॒षु। स॒स्मि॒ञ्च॒राः। नील॑ग्रीवा॒
 इति॑ नील॑-ग्रीवाः। वि॒लो॒हिता॒ इति॑ वि॒-लो॒हिताः॑॥ ये। भू॒ताना॑म्।
 अधि॑पतय॒ इत्यधि॑-पतयः। वि॒शि॒खा॒स॒ इति॑ वि॒-शि॒खा॒सः॑।
 क॒प॒र्दिनः॑॥ ये। अ॒न्ने॒षु। वि॒वि॒ध्यन्ती॑ति॒ वि॒-वि॒ध्यन्ति॑। पा॒त्रे॒षु।
 पि॒ब॒तः। ज॒नान्॑॥ ये। प॒थाम्। प॒थि॒रक्ष॑य॒ इति॑ प॒थि॒-रक्ष॑यः।
 ऐ॒ल॒बृ॒दाः। य॒व्यु॒धः॥ ये। ती॒र्थानि॑। (२६)

प्र॒च॒रन्ती॑ति॒ प्र॒-च॒रन्ति॑। सू॒का॒व॒न्त॒ इति॑ सू॒का॒-व॒न्तः॑। नि॒ष॒ङ्गि॒ण॒ इति॑
 नि॒-स॒ङ्गि॒नः॑॥ ये। ए॒ता॒व॒न्तः॑। च॒। भू॒या॒श्च॑। च॒। दि॒शः॑। रु॒द्राः।
 वि॒त॒स्थि॒र॒ इति॑ वि॒-त॒स्थि॒रे॑॥ तेषा॑म्। स॒ह॒स्र॒यो॒ज॒न॒ इति॑ स॒ह॒स्र॒-
 यो॒ज॒ने॒। अ॒वे॒ति॑। धन्वा॑नि। तन्म॑सि॥ नमः॑। रु॒द्रेभ्यः॑। ये। पृ॒थि॒व्याम्।
 ये। अ॒न्तरि॑क्षे। ये। दि॒वि। येषा॑म्। अ॒न्नम्। वा॒तः। व॒रु॒षम्। इ॒ष॒वः।
 तेभ्यः॑। द॒श॑। प्रा॒चीः॑। द॒श॑। द॒क्षि॒णा॑। द॒श॑। प्र॒ती॒चीः॑। द॒श॑। उ॒दी॒चीः॑।
 द॒श॑। ऊ॒र्ध्वाः॑। तेभ्यः॑। नमः॑। ते। नः॑। मृ॒ड॒य॒न्तु॑। ते। यम्। द्वि॒ष्मः॑।
 यः। च॒। नः॑। द्वेष्टि॑। तम्। वः॑। ज॒म्भे॑। द॒धामि॑॥ (२७)

त्र्य॒म्ब॒क॒मि॒ति॒ त्रि॒-अ॒म्ब॒क॒म्। य॒जा॒म॒हे॒। सु॒ग॒न्धि॒मि॒ति॒ सु॒-ग॒न्धि॒म्।
 पु॒ष्टि॒व॒र्ध॒न॒मि॒ति॒ पु॒ष्टि॒-व॒र्ध॒न॒म्॥ उ॒र्वा॒रु॒क॒म्। इ॒व॒। ब॒न्ध॒नात्। मृ॒त्योः॑।

मु॒क्षी॒य॒। मा॒। अ॒मृता॑त्॥ यः॒। रु॒द्रः॒। अ॒ग्नौ॒। यः॒। अ॒प्सि॒स्वत्य॑प्-सु॒।
 यः॒। ओष॑धीषु॒। यः॒। रु॒द्रः॒। वि॒श्वो॒॑। भुव॑ना॒। आ॒वि॒वेशे॑त्या॒-वि॒वेश॑।
 तस्मै॒॑। रु॒द्राय॒॑। नमः॒॑। अ॒स्तु॒॥

॥ ॐ शान्तिः॒ शान्तिः॒ शान्तिः॑ ॥

